खबर संक्षेप

गुणवत्ताहीन बनाई जा रही कांक्रीट सड़क

बिनैका। मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत बिनैका जो कि अपने कार्यों को लेकर हमेशा ही सुर्खियों पर बनी रहती है एक बार फिर इसी तरह का मामला ग्राम पंचायत बिनैका में देखने को मिला। ग्राम पंचायत के वार्ड नंबर 01 पर सीसी रोड का निर्माण हो रहा है जो कि बिना मापदंड एवं बिना इंजीनियर के मार्गदर्शन में बनाई जा रही है ठेकेदार के द्वारा सड़क बनाई जा रही है सड़क निर्माण में बिना बेस गिट्टी डालें ही ढलाई का काम प्रारंभ कर दिया गया है ऐसे में यह सड़क कितने दिन टिकेगी यह बड़ा सवाल है। स्थानीय लोगों ने जब इस पर एतराज किया तो ठेकेदार स्थानीय लोगों के साथ ही उलझ पड़ा और उन्हें ही धमकाने लगा। जब वार्डवासियों के द्वारा विरोध किया गया तो ठेकेदार के द्वारा और उनके मजदूरों के द्वारा वार्डवासियों को धमकाया गया कि तुमसे जो बने वह कर लो हम तो सड़क ऐसे ही बनाएंगे। जिस तरह से ठेकेदार द्वारा ग्राम के लोगों को धमकी दी गई उससे यह तो साबित होता है कि ठेकेदार न केवल पहुंच वाला व्यक्ति है बल्कि जनपद एवं जिला पंचायत के अधिकारियों के साथ उसकी अच्छी खासी सांठ-गांठ भी है यही कारण है कि गुणवत्ताहीन निर्माण के बावजूद न तो ठेकेदार द्वारा गांव वालों की बात सुनी गई और न ही निर्माण कार्य को ठीक करने का प्रयास किया गया शासन द्वारा गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य के लिये अच्छी खासी राशि स्वीकृत की जाती है फिर क्या कारण है कि गुणवत्ताहीन निर्माण कर लोगों को परेशान किया जा रहा है इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा दोषी वे तकनीकि अधिकारी हैं जिन्हें कार्यस्थल पर मौजूद रहकर गुणवत्तापूर्ण कार्य कराना चाहिये।

एकलव्य आवासीय विद्यालय के कुप्रबंधन और घोर लापरवाही के विरूद्ध होगा प्रदर्शन

निलंबित प्राचार्य को पुनः किया पदस्थ

*** गाजे-बाजे के साथ हुआ स्वागत, दिवंगत की मौत का उड़ाया मजाक।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/निवास

जिले के अनुसूचित जन जाति वर्ग के लोगों के अनेकों मामलों में प्रशासनिक कुव्यवस्था से आये दिन उपज रहे आक्रोश के बाद हो रहे आंदोलन जनप्रतिनिधियों की राजनीतिक कार्यशैली व सामाजिक सेवाभाव पर सवालिया निशान लगाता है, ऐसा नहीं है कि डिजिटल दुनियां में शोसल मीडिया के माध्यम से ऐसे मामलों की जानकारी नेताओं को न मिलती हो, पर जब आग भड़क जाती है तभी मौके पर पहुँचना पर मामलों का आम जनों के संतोष जनक निदान न करना पीड़ित व आदिवासी समाज को आंदोलित करने बाध्य करता है।

वहीँ निवास पिपरिया छात्रावास से निलंबित प्राचार्य की अन्यत्र पदस्थापना की जाती तो यह स्थिति निर्मित नहीं होती।

निवास पिपरिया के आदर्श एकलव्य आवासीय विद्यालय के कुप्रबंधन और घोर लापरवाही से यहाँ अध्ययनरत दसवीं की छात्रा शिल्पा मरावी की अगस्त माह में असमय मृत्यु हुई थी, उक्त घटना पश्चात प्रशासन ने दो अधीक्षकों का निलंबन और एक आउट शोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी की सेवा समाप्त की कार्रवाई की थी।

साथ ही दिवंगत छात्रा के परिजनों को शासन के नियमानुसार सहायता राशि भी प्रदान की जा चुकी है। लेकिन उक्त छात्रावास प्राचार्य मोनिका रोहिल्ला के निलंबन दिनांक 19.08.2025 और फिर 04/10/2025 को इसी छात्रावास में पुनः पदस्थ किये जाने पर कुछ स्टाफ द्वारा फूल माला से स्वागत और आतिशबाजी कर फोटो शूट कर वायरल किया गया जो मृतिका छात्रा के माता पिता और आमजन को रास नहीं आया, यही मुख्य कारण है कि आदिवासी समाज प्राचार्य मोनिका रोहिल्ला को यहाँ से हटाने की मांग कर रहा है।

ज्ञात हो कि दिवंगत छात्रा के पिता लोकेश मरावी ने 03/10/2025 को मंडला सांसद फग्गनसिंह कुलस्ते को एक पत्र प्रेषित कर घटना की शुक्ष्म जांच करने की मांग की है जिसमें मृत छात्रा के द्वारा पूर्व में बताये अनुसार आवेदक ने दस बिंदुओं पर विस्तार से उल्लेख कर गंभीर आरोप लगाया है, जिसमें मृतिका को जबलपुर हॉस्पिटल ले जाने पर डॉक्टरों ने प्रथम दृष्ट्या पॉइजनिंग का केश बताया था, लेकिन मिली बिसरा रिपोर्ट में जहर संबंधित ऋणात्मक उल्लेख है।

सांसद द्वारा उक्त आवेदन पर संज्ञान लेने सुप्रिडेंट पुलिस मंडला को लिखा गया है, लेकिन अब तक इस पर क्या कार्रवाई हुई अज्ञात है।

प्रशासनिक ढील और लचर व्यवस्था ने छीनी आदिवासी बेटी की सांसें

नाचती-गाती छात्रा आखिर कैसे चल बसी

सामान्य मौत नहीं हत्या की गई है

दूसरे मामले में बबलिया के समीपी ग्राम कापा में 9 अगस्त को फंदे पर लटके मिले युवक की संदिग्ध मौत पर माता पिता ने हत्या की आशंका जताई है, एकलौते बेटे की कथित हत्या से पीड़ित पिता न्याय पाने निवास थाना से थक हारकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं आरोपियों के नामजद रिपोर्ट के बाद पुलिस ने आरोपियों से हल्की पूंछ तांछ कर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया है।

इतना ही नहीं थाना के जिम्मेदार व पीएम करने वाले डॉक्टर ने 19 वर्षीय युवक पुष्पेंद्र मरकाम के शव का विधिवत पोस्टमार्टम न कर सिर्फ ड्रेसिंग कर शव परिजनों को सौप दिया गया था, जिससे आदिवासी समाज में काफी रोष व्याप्त है।

उपनगर महाराजपुर के लोग बिजली के लिये तरस रहे

*** विद्युत विभाग की लापरवाही उजागर।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

आज के इस युग में जबकि दूरदराज के क्षेत्रों में भी बिजली की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है तो ऐसे में नगर के बीचोंबीच यदि किसी क्षेत्र में लोग बिजली की सुविधा के लिये तरस रहे हों तो फिर इसे क्या कहा जाये।

मामला है उपनगर महाराजपुर के बूढ़ी माई वार्ड का यहां पर हेलीपेड के पास रहने वाले लगभग 8 से 10 परिवार ऐसे हैं जो वर्षो से अस्थाई टीसी कनेक्शन के सहारे अपनी जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। टीसी कनेक्शन के चलते जहां उन्हें अतिरिक्त विद्युत प्रभार देना पड़ रहा है तो वहीं अस्थाई विद्युत कनेक्शन को हर बार नवीनीकरण कराना पड़ता है इससे न केवल इन लोगों का समय खराब होता है बल्कि आर्थिक बोझ भी इन पर पड़ रहा है यहां पर लोग अपने लिये मकान का निर्माण कर रहे हैं इसके साथ ही परिक्रमावासियों की सेवा के लिये आश्रम का भी निर्माण कराया जा रहा है प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुसार ये लोग सोलर प्लांट भी लगाने की इच्छा रखते हैं लेकिन जब तक इनके पास विद्युत कनेक्शन की स्थाई सुविधा नहीं हो जाती सोलर प्लांट की सुविधा नहीं मिल पा रही। परेशान इन लोगों ने कलेक्टर मण्डला को एक ज्ञापन सौंपा इसके साथ ही स्थानीय विधायक एवं प्रदेश की केबिनेट मंत्री सम्पतिया उइके से भी अपनी पीड़ा बताई श्रीमति उइके ने शीघ्र ही जो विद्युत पोल लगने हैं उसका स्टीमेट बनवाने को कहा और जो राशि खर्च होगी उसे अपने विधायक मद से देने की बात कही इस सबके बावजूद विद्युत विभाग है कि आज दिनांक तक न तो स्टीमेट ही दे पाया और न ही विद्युत विभाग के कर्मचारी स्थानीय लोगों का सहयोग कर रहे हैं। जब विभाग का कोई पैसा लगना नहीं उल्टे कनेक्शन के बाद उनका ही राजस्व बढ़ेगा ऐसे में इस तरह की लापरवाही समझ से परे है।

करोड़ों के विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/निवास

नगर परिषद निवास जिला मंडला में स्वच्छ भारत मिशन 2.0 अंतर्गत एसटीपी निर्माण व नाले पर इंटरसेप्शन डायवर्शन कार्य एवं अन्य विकास कार्यों का भूमिपूजन मंडला सांसद एवं पूर्व केंदीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते के कर कमलों द्वारा किया गया।

उक्त सभी विकास कार्यों में लगभग एक करोड़ ग्यारह लाख रुपये की राशि खर्च की जायेगी।

स्वच्छ भारत मिशन 2.0 अंतर्गत एसटीपी निर्माण व नाले पर इंटरसेप्शन डायवर्शन कार्य लागत 3.27 लाख, स्मार्ट फिश पार्लर 5 लाख इसी तरह एमआरएफ सेंटर पर अधोसंरचना एवं मशीनरी कार्य में 40 लाख और मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना अंतर्गत 63 लाख के विकास कार्य किये जायेंगे।

ज्ञात हो कि निवास के लधाटोला में बने टिंचिंग ग्राउंड में पहले भी स्वच्छ भारत मिशन के तहत भारी राशि खर्च की जा चुकी है, और इस कचरा घर के वर्तमान में हालात क्या है और विभिन्न प्रकार के कचरे का निपटान कैसे किया जाता है यह हाल में देखा जा सकता है।

कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षदगण, नगर के गणमान्य नागरिक, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस,मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

मानसिक स्वास्थ्य पर किशोरी संवाद का आयोजन

मण्डला। बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान के अंतर्गत जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमति शालिनी तिवारी के मार्गदर्शन में थीम के अनुसार अक्टूबर माह में पूरे जिले में कार्यक्रम किये जा रहे है। गुरूवार को परियोजना बीजाडांडी अंतर्गत शासकीय मॉडल विद्यालय बीजाडांडी के कन्या परिसर में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 16 अक्टूबर विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मानसिक स्वास्थ्य को लेकर परामर्शदाता श्रीमती उर्मिला शर्मा द्वारा मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चर्चा, समस्या एवं समाधान किया गया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक और मानसिक रूप से बच्चों के हॉर्मोन्स में बदलाव व हॉर्मोन्स को लेकर भावनात्मक, सामाजिक, मानसिक चुनौतियों को लेकर किस प्रकार अपने आप को नियंत्रित कर लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढें।

किडज़ी में हुई दिवाली उत्सव की भव्य प्रस्तुति

*** मातृ सहभागिता ने कार्यक्रम में भरी नई ऊर्जा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

किडज़ी सिविल लाइन्स मण्डला में इस वर्ष दीवाली का उत्सव अत्यंत हर्षोल्लास एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय ने माताओं और नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए एक भव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसने इस पर्व को यादगार बना दिया।

विद्यालय परिसर को दीप, रंगोलियों और पारंपरिक सजावटों से सुसज्जित किया गया, जिससे पूरा वातावरण दिव्य और अलौकिक दिखाई दे रहा था। सबसे विशेष दृश्य था पारंपरिक परिधानों में सजे छोटे विद्यार्थी और उनकी माताएँ, जिन्होंने मिलकर इस उत्सव को और अधिक सजीव बना दिया।

यह अनूठी पहल बच्चों में सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई, ताकि वे भारतीय त्यौहारों की महत्ता को समझते हुए पारिवारिक बंधन का महत्व भी जान सके।

सीनियर केजी की अभिभावक माताओं ने पर्यावरण के अनुरूप सामग्री से आकर्षक गहनों का निर्माण किया।जूनियर केजी की माताओं ने मिट्टी एवं क्ले आर्ट द्वारा घर सजावट की कला कृतियाँ बनाई।

नर्सरी वर्ग की माताओं ने दीवाली थीम पर आधारित उत्कृष्ट मास्टर पीस तैयार किए।प्ले ग्रुप की अभिभावक माताओं ने मोमबत्ती सजावट प्रतियोगिता मैं बढ़-चढ़ कर का हिस्सा लिया।

इन सभी प्रतियोगिताओं ने माताओं की सृजनशीलता और समर्पण को प्रदर्शित किया। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद माताओं का इस कार्यक्रम में भाग लेना वास्तव में हृदयस्पर्शी और प्रेरणादायक रहा।माताओं ने रंगारंग सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियाँ दीं।

इस पूरे आयोजन में स्कूल प्राचार्या शालिनी शुक्ला, एकेडमिक कोऑर्डिनेटर राशि पमनानी के मार्गदर्शन में समस्त शिक्षकों,स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

विडम्बना | **अवैध कब्जे के सैकड़ों मामले लेकिन राजस्व विभाग मौन।**

छोटे व्यापारियों की रोजी के पीछे पड़ा प्रशासन

*** दीपावली जैसे त्यौहार पर इस तरह की कार्यवाही शर्मनाक।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

दीपावली जैसे बड़े पर्व से ठीक पहले जिला प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की मुहिम तेज कर दी है। पूरे वर्षभर अनदेखे रहे अतिक्रमणों पर अचानक सख्ती बरतते हुए प्रशासन ने जिला पंचायत परिसर के आसपास लगे अस्थायी एवं स्थायी ठेलों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। इस अभियान में पुलिस बल की सहायता भी ली जा रही है।

जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पूर्व मीडिया में जनरेटर से संबंधित अतिक्रमण की खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन हरकत में आया था। परंतु अब कार्रवाई की जद में वे छोटे व्यापारी भी आ गए हैं जो प्रतिदिन ठेला लगाकर अपनी आजीविका चलाते हैं। ये ठेले न तो स्थायी अतिक्रमण माने जाते थे और न ही स्थायी रूप से एक ही स्थान पर रहते थे। इसके बावजूद दीपावली से ऐन पहले इन पर कार्रवाई से छोटे व्यापारियों में भारी रोष है।

स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि केंद्र सरकार जहाँ 'स्वदेशी अपनाओ, स्वदेशी जगाओ' और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने की बात करती है, वहीं जिला प्रशासन उन्हीं छोटे कारोबारियों को हटाकर उनके रोजगार पर संकट खड़ा कर रहा है। त्योहार के सीजन में जब बिक्री बढ़ने की उम्मीद रहती है, तभी प्रशासनिक सख्ती से उनका व्यवसाय ठप पड़ गया है।

वहीं नागरिकों का यह भी कहना है कि जिला मुख्यालय के अन्य क्षेत्रों में बड़े-बड़े स्थायी अतिक्रमण वर्षों से मौजूद हैं, जिन पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। कई मामलों में तो न्यायालय के आदेश भी लंबित पड़े हैं, परंतु प्रशासन की कार्रवाई सबसे पहले उन्हीं ठेलेवालों पर हुई जिनकी जीविका रोज़मर्रा की कमाई पर निर्भर है।

जनता का सवाल है कि यदि प्रशासन ने सचमुच अतिक्रमण हटाने की मुहिम छेड़ी है, तो पहले मुख्य बाजारों और प्रमुख मार्गों से स्थायी अतिक्रमण हटाया जाना चाहिए। अन्यथा यह अभियान केवल छोटे कारोबारियों को निशाना बनाने की कार्रवाई बनकर रह जाएगा।

इनका कहना है -

प्रशासकीय अधिकारियों से चर्चा के दौरान उन्होंने आग्रह किया है कि दीपावली जैसे हमारे सनातन धर्म के सबसे बड़े और पावन पर्व के समय किसी भी प्रकार की अतिक्रमण संबंधी कार्यवाही न की जाए। श्री झा ने स्पष्ट किया कि वे अतिक्रमण के पक्ष में नहीं हैं, परंतु पर्व-त्योहार के इस शुभ समय में ऐसी कार्यवाही करना उचित नहीं है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया है कि त्योहार की गरिमा एवं सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए कार्यवाही दीपावली के बाद की जाए।

जयदत्त झा
संयोजक
आत्मनिर्भर भारत अभियान
जिला मण्डला

एसडीएम मंडला से व्यापक चर्चा के बाद यह स्पष्ट निर्णय लिया गया है कि त्योहारों के पर्व को ध्यान में रखते हुए इस समय किसी भी कार्रवाई को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। प्रशासन एवं जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए संतुलित निर्णय लिया गया है।

प्रफुल्ल मिश्रा
जिलाध्यक्ष, भाजपा

बिना पूर्व सूचना अचानक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई अनुचित है। पहले नोटिस देकर अवसर दिया जाना चाहिए था। दीपावली के समय ऐसी कार्रवाई निंदनीय है, जिसे त्यौहार के बाद किया जा सकता था।

डॉ. अशोक मर्सकोले,
जिला अध्यक्ष, कांग्रेस (आई)
मण्डला

हरिभूमि के स्थापना दिवस पर सभी पाठकगणों एवं नगरवासियों को बहुत बहुत शुभकामनायें

अशोक मर्सकोले, पूर्व विधायक निवास एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष मण्डला

हरिभूमि के स्थापना दिवस एवं दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनायें

Madhuram's
MANDLA

Madhuram Bakers & Pakers, Madhuram Sweets
Madhuram Sweets and Bakers LLP

खबर संक्षेप

स्कूल बस की टक्कर से पहुंची चोट

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम खुरसीपार निवासी ओम प्रकाश पिता वृंदावन शुक्ला उम्र 42 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस वह याशिका उर्पु आशु पिता ओम प्रकाश शुक्ला अपनी मोटर साईकिल क्रमांक MP 49 MC 7462 से बेटी अंशिका उर्फ अंशु शुक्ला के साथ खुरसीपार जा रहे थें। उसी दौरान सामने से आ रही काबरा स्कूल की बस क्र. MP 49 P0349 के चालक द्वारा अपनी बस को तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये मोअर साईकिल में टक्कर मार दी गई। इसी के चलते प्रार्थी सहित अंशिका को भी चौटे आने पर पुलिस ने आरोपी बस चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पेट में लात मारते हुये चोट पहुंचाई

सांईखेड़ा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम मुंआर निवासी व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस गांव के महेश पचौरी का लड़का मनीष पचौरी घर के पास आया और गंदी गीं गालिया देने लगा। जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मनाया किया तो आरोपी द्वारा प्रार्थी के पेट में लात मारते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

कार की टक्कर से बाइक चालक घायल

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम कामती निवासी एक किराना दुकान के संचालक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह बीते हुये दिवस उदयपुरा से अपनी मोटर साईकिल लेकर वापिस आ रहा था उसी दौरान ग्राम खैरी पाली के पास एक लड़का मिला जिसने अपना नाम कमलेश राजपूत बताते हुये प्रार्थी से लिप्ट मांगते हुये साथ ले जाने की बात कही। इस प्रार्थी द्वारा कमलेश को लिप्ट देने के चलते जब दोनों अपनी मोटर साईकिल से आ रहे थें उसी दौरान सामने एक चार पहिया कार क्र. MP 15 ZN 1486 चल रही थी। कार के चालक द्वारा अचानक ब्रेक मारते हुये अपनी कार को रोके जाने के चलते बाइक चालक दोनों उसी घर से टकराने के चलते घायल होने के चलते उन्हें इलाज हेतु शासकीय चिकित्सालय ले जाया गया। वही घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी कार चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

किराये के मकान में पति ने अपनी पत्नी के साथ की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सांईखेड़ा पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम किरगी खुर्द हाल निवासी वार्ड क्रमांक 12 सांईखेडा निवासी हुई एक महिला ने पुलिस थाने में अपने पति दीपक राजपूत के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि वह जब साईखेड़ा में अपने किराय के मकान में थी उसी समय पति शराब पीकर आया और गंदी गंदी गालिया देने लगा। जब प्रार्थिया द्वारा अपने पति से गाली देने से मना किया तो आरोपी पति द्वारा मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की मकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने पीडित पत्नी की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

युवती ने बात नहीं की तो कर दी मारपीट

गाडरवारा। मनचलों के हौसले इतने बुलंद होते हुये देखे जा रहे है कि जबरन किसी युवती से बात करने का प्रयास करते है यदि कोई युवती बात करने से इंकर कर दे तो उसके साथ मारपीट करने से नही चूकते है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के नुअसार बीते हुये दिवस नगर के भगत सिंह वार्ड निवासी एक युवती द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कुछ साल पहले वह छोटू कहार नामक के व्यक्ति से बात करती थी। मगर उसकी हरकतों के चलते जब युवती ने बात करना बंद कर दिया गया तो इसी बात को लेकर जब युवती नगर के आदर्श के पास से निकलते हुये कही जा रही थी उसी दौरान युवक द्वारा प्रार्थिया को गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई।

पुरस्कार पाने वाले अधिकारियों की कार्य शैली पर खड़े कर रहे सवाल

जंगल क्षेत्र के पंचायतों में शासन की राशि खर्च होने के बाद भी अधूरे पड़े निर्माण कार्य

यदि निष्ठा के साथ जांच हुई तो पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों से लेकर ब्लाक स्तर के अधिकारी हो सकते हैं बेनकाब....?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा/सिंहपुर छोटा। यह बात अलग है कि बीते हुये पंचायत का कार्यकाल बदले हुये नये पंचायतों के गठन को भी तीन साल से अधिक का समय बीतने को है। मगर यदि पंचायतों द्वारा जिस तरह विकास कार्यों में नाम पर शासन की राशि की होली खेली गई है उसकी सच्चाई जंगल क्षेत्र के उन गांवों में देखने आसानी से मिल सकती है जहां पर विकास कार्यो के नाम पर पैसा तो खर्च हुआ है। मगर अनेक जगहों पर अधूरे पड़े हुये विकास कार्य पंचायत के बीते हुये कार्यकाल से लेकर वर्तमान पंचायती राज के जनप्रतिनिधियों सहित ब्लाक स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों की सच्चाई को उजागर करने से नही चूक रही है..? इस बात की सच्चाई जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले जंगल पट्टी की अनेक ग्राम पंचायतों में आसानी से देखने मिल सकती है..? बताया जाता है कि बीते हुये पंच वार्षिय पंचायतों के कार्यकाल के दौरान इन गांवों में निर्माण कार्यो के नाम पर सरकारी राशि खर्च होने के बाद भी जहां निर्माण कार्य आज भी अधूरे दिखाई दे रहे है तो दूसरी वर्तमान पंचायती राज का कार्यकाल भी बीते हुये तीन साल से उसी नक्से कदम पर दिखाई देने में पीछे नही रह रहे है ओर स्वच्छता के नाम पर लाखों रूपया खर्च होने के साथ साथ पंचायतों द्वारा अधिकारियों की मिली भगत से कागजों में जहां ओडीएफ इसके बाद ओडीएफ प्लस के रिकार्ड के दस्ताबेजों में नई नबेली दुल्हन की तरह सजाकर जिम्मेदार अधिकारी स्वच्छता सर्वेक्षण के नाम पर उत्कृष्ठ पुरूस्कार पाने के हकदार बनने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। मगर इन पंचायतों की सच्चाई इस तरह से देखने मिल रही है कि लोगों के घरों में आज भी अधूरे पड़े हुये शौचालय गफलतबाजी का अधिकारियों को आईना दिखाने से नही चूक रहे है और शौचालय निर्माण के लिये खोदे गये गड्ढे लोगों के लिये कचरादान बन जाने के कारण शोभा की सुपारी बनकर रहे गये है..? मगर इस सबके बाद हैरत तो इस बात को लेकर देखने मिल रही है कि जिले से लेकर तहसील स्तर पर देश में आयोजित होने वाली सबसे बुद्विमान दर्ज की परीक्षा को सफल करने अधिकारियों के हाथों में बागडोर होने के बाद भी उनके अधिनस्थ आने वाले क्षेत्रों में इस तरह दौड़ रही गफलता बाजी की रैलगाड़ी को वह खुद ही हरि झंडी दिखाते हुये नजर आने से नही चूक रहे है? यह बात अलग है कि जब जिले से लेकर तहसील स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा किया जाता है कि इसकी जानकारी ब्लाक से लेकर पंचायत स्तर के अधिकारियो को पहले ही मिल जाने के चलते वह अपनी पंचायतों को दुल्हन की तरह सजाते हुये अधिकारियों के स्वागत हेतु तैयार तो कर लिया जाता है और इसी के चलते यहां की वास्तविक सच्चाई उजागर होने से बच जाती है? यदि यही सक्षम अधिकारी अचानक बगैर किसी पूर्व सूचना के जंगल क्षेत्र के इन गांवों को अचानक दौरा कर लेवे तो हरिभूमि द्वारा उठाई जाने वाली इस सच्चाई पर मुहर लगने से नही चूक पायेगी? मगर वह कहाबत है कि थोडे थोड़ में सभी की सोंझआई होती है तो नीचे से लेकर ऊपर तक अधिकारियों को सब कुछ दीप की आग के सामने काली लता भी हरियाली फैलाते हुये शीतलता का प्रसाद काटने से नही चूकती है? जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले गांवों का रूख किया जावे तो यहां पर हाई स्कूल से लेकर शमशान घाट सहित शौचालयों का अधूरे पड़े हुये निर्माण कार्य तथा गांवों में फैल रही गंदगी जो देश के प्रधान मंत्री से लेकर प्रदेश में मुख्यमंत्री के स्वच्छ भारत के सपने का ग्रहण कोई कसर नही छोड़ रही है तथा वह निश्चित तौर से निष्ठावान बनकर उत्कृष्ठ पुरूस्कार पाने वाले अधिकारियों की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ रही है? वही दूसरी ओर यदि जो निर्माण कार्य हो भी चुके है तो वह चंद दिनों के अंदर टूटते हुये अपनी गुणवत्ता की कहानी बया करने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर पूर्ण हो चुके निर्माण कार्यो की किसी निष्ठावान अधिकारी से जांच कराई जावे तो सच्चाई अपने आप ही उजागर होने से नही बच पायेगी? मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि जिन सक्षम अधिकारियों के लिये जिले से लेकर तहसील स्तर पर निगरानी करने के जिम्मेदारी सौपी गई है वह अपने कार्यालयों से निकलना तक उचित नही समझते है और दूसरी ओर मान लिया जावे कि जब कभी कही किसी पंचायत या क्षेत्र का निरीक्षण करने की औपचारिकता निभाई जाती है तो वहां के अधिकारियों व कर्मचारियों को पहले से ही सूचना देखकर पहुंचने के चलते गफलत बाजी की सच्चाई आंखों से ओझल होने से नही चूक पाती है? इसी का परिणाम है कि जिले से लेकर तहसील स्तर पर बैठे हुये सक्षम बुद्विमान अधिकारियों की उदासीनता के चलते ब्लाक स्तर से लेकर पंचायत स्तर पर बैठे हुये कर्मचारियों द्वारा पूर्णरूप से पंचायतों के विकास कार्यो के नाम पर शासन की राशि की होली खेलते हुये विकास कार्यो की गति को मात्र कागजों पर चलाते हुये देखने मिल रहा है..? यदि जिले से लेकर तहसील स्तर पर बैठे हुये सक्षम अधिकारियों द्वारा अचानक गोटीटोरिया क्षेत्र के जंगल पट्टी की ग्राम पंचायतों का अचानक दौरा किया जावे तो निश्चित तौर से पंचायतों के बीते हुये कार्यकाल से लेकर वर्तमान कार्यकाल के दो सालों के दौरान हुये विकास कार्यो की सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी। वही बीते हुये तीन सालों के दौरान शासन की राशि खर्च होने के बाद भी अधूरे पड़े हुये निर्माण कार्य अपना बोरिया विस्तर समेटकर घर बैठ चुके हुये सरपंचों सहित ब्लाक स्तर के सक्षम अधिकारियों की कार्य प्रणाली उजागर होने से नही बच पायेगी।

राज्य स्तरीय शालेय व्हालीबॉल प्रतियोगिता का समापन आज

शिक्षा मंत्री सहित प्रदेश के लोक स्वास्थ्य मंत्री होगे शामिल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर के पुराने कॉलेज खेल मैदान पर खेली जा रही 69 वी राज्य स्तरीय शालेय व्हालीबॉल प्रतियोगिता का समापन आज 17 अक्टूबर को सुबह 11:30 बजे प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटैल के मुख्य आतिथ्य में होगा। इस मौके पर क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के स्कूल शिक्षा व परिवहन मंत्री उदयप्रताप सिंह की अध्यक्षता समापन समारोह की अध्यक्षता करेगे। वही अन्य अतिथियों के रूप में नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, पूर्व विधायक साधना स्थापक, नरेश पाठक मौजूद रहेगे। बताया जाता है कि इस प्रदेश स्तरीय खेल प्रतियोगिता के चौथे दिन बालक /बालिका अंडर 19 आयु वर्ग के छात्र छात्राओं के बीच अलग अलग पूलों के खेले गये विभिन्न मैचो में संभागों से आई हुई टीमों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया गया। गुरुवार को प्रतियोगिता के चौथे दिन खेले गये बालक वर्ग के मैचों मे रीवा संभाग ने ग्वालियर संभाग को तो भोपाल ने उज्जैन तथा जबलपुर ने नर्मदापुरम संभाग को 2-0 से एवं सागर ने इंदौर संभाग की टीम को 2-1 से पराजित करते हुये जीत हासिल की गई। इसी प्रकार बालिका वर्ग के मैचो मे रीवा संभाग टीम ने शहडोल संभाग की टीम को तो नर्मदा पुरम संभाग की टीम ने इंदौर तथा जनजातीय कार्य विभाग ने भोपाल तथा जबलपुर संभाग टीम ने सागर संभाग की टीम को 2-0 से पराजित किया गया। इसी प्रकार बालिका वर्ग के मेचों मे रीवा संभाग ने जबलपुर संभाग की टीम को तो उज्जैन संभाग ने शहडोल संभाग को 2-0 एवं नर्मदापुरम संभाग ने जनजातीय संभाग की टीम को 2-1 से हराया। बताया जाता है कि तीसरे दिवस के खेल जो देर रात तक खेले गये थें उनमें जबलपुर संभाग की टीम ने उज्जैन तथा इंदौर ने ग्वालियर संभाग की टीम तथा जनजातीय कार्य विभाग की टीम ने सागर संभाग तथा नर्मदापुरम ने शहडोल संभाग की टीम को पराजित किया गया था। इसी तरह से बालिका वर्ग के मेचों मे ग्वालियर ने भोपाल व सागर ने शहडोल तो रीवा ने उज्जैन एवं ग्वालियर ने जनजातीय कार्य विभाग की टीम को पराजित करते हुये अपनी जीत का परचम लहराया गया था। वही चौथे दिन का खेल के दौरान नगर के गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया।

कलेक्टर ने सेवा सहकारी समितियों के साथ उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण करते हुये ग्रामीणों से की चर्चा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जिला कलेक्टर रजनी सिंह द्वारा बीते हुये गुरूवार को गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्रामों का अचानक दौरा करते हुये सेवा सहकारी समितियों सहित उचित मूल्य दुकानों के आलवा स्वास्थ्य केन्द्रो में पहुंचकर अचानक निरीक्षण करते हुये ग्रामीणों से रूबरू हुई। बताया जाता है कि जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सेवा सहकारी समिति मर्यादित करपगांव व प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित शाहपुर का निरीक्षण करते हुये उन्होंने भावांतर योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक सोयाबीन उत्पादक किसानों का पंजीयन कराने और इसका व्यापक प्रचार- प्रसार करने के निर्देश दिए। इस मौके पर उन्होंने भावांतर योजना अंतर्गत केन्द्रों में किसानों के पंजीयन के बारे में जानकारी लेने के साथ ही उचित मूल्य की दुकान करपगांव, शाहपुर का निरीक्षण किया। वही उपभोक्ताओं को नियमित रूप से खाद्यान्न वितरण करने के निर्देश दिए। इस तरह शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के निरीक्षण के दौरान स्टॉक एवं स्टॉक पंजी का अवलोकन करते हुये उचित मूल्य की दुकानों में खाद्यान्न का रखरखाव एवं वितरण उचित तरीके से करने के निर्देश देते हुये खाद्यान्न उपभोक्ताओं से खाद्यान्न वितरण के संबंध में जानकारी लेते हुये कहा कि सभी उपभोक्ता उचित मूल्य की दुकान से खाद्यान्न का उठाव निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर का निरीक्षण करते हुये उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्रों में ओपीडी, स्टोर रूम, औषधी भंडार कक्ष, डिलेवरी कक्ष, दवा वितरण केन्द्र अवलोकन किया गया। वही स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजों का नियमित रूप से जांच परीक्षण एवं उपचार करने के निर्देश दिए। मरीजों के लिए नियमित रूप से दवाईयां उपलब्ध रखने को कहा जिससे स्वास्थ्य केन्द्रों में आने वाले मरीजों को परेशानी न हो। इस दौरान जिला कलेक्टर श्रीमती सिंह ने स्वास्थ्य केन्द्रों में पहुंचे मरीजों से भी चर्चा करते हुये स्वास्थ्य केन्द्रों के स्टाफ को नियमित रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए। वही बताया जाता है कि निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र में अनुपस्थित रहने वाले स्टाफ को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इस दौरान वह गौशाला शाहपुर पहुंचते हुये वहां की जानकारी देते हुये गौशाला में पशुओं को नियमित रूप से चारा- भूसा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलेक्टर के साथ गाडरवारा अनुविभागीय श्रीमति कलावति व्यारे सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण भी मौजूद थें।

बंदूक लायसेंसधारी भी ले रहे है, गरीबी रेखा योजना का लाभ सही हकदार भटकने के लिये हो रहे मजबूर

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जिस प्रकार से सरकार द्वारा गरीबी रेखा के अंतर्गत आने वाले लोगों का भला करने की उद्वेश्य को लेकर योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है उसका लाभ गरीबों को मिलने की जगह बड़े बड़े जमीदार लोग लेते हुए दिखाई दे रहे है, यदि सही मायने में देखा जावे तो इस योजना के तहत पात्र हितग्राही वही माने जाने है जिनके पास तीन एकड़ से कम जमीन हो, मगर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो गरीब रेखा सूची में अनेक इस प्रकार के लोगों के नाम देखने आसानी से मिल सकते है जिनके पास ट्रेक्टर से लेकर खेतों में नलकूप पानी दे रहे है इतना ही नही यदि गरीबी रेखा सूची की सच्चाई को जानने के लिए गहराई से खोज की जावे तो बंदूक के लाईसेंसधारी लोगों के नाम भी इस सूची में मिलने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? जिसमें देखा जावे तो इस समय जनपद पंचाय सांईखेड़ा के अन्तर्गत अनेक ग्रामों में बनी गरीबों की लिस्ट को देखा जावे तो बड़ा आश्चर्य होता है। क्योंकि ब्लाक के पास उपलब्ध गरीबी सूची का यदि ईमानदारी से मुआवना किया जावे तो अनेक चौकाने वाले नाम सामने आ सकते है और उन लोगों तक नाम है जिनके पास टेक्ट्ररों से लेकर अनेक मोटर साईकिले तथा कई एकड़ जमीन है और जिनके बच्चें अधिक फीस वाले मंहगे स्कूलों में पढ़ने शहर जा रहे है, इतना ही नही गई लोगों के पास तो बंदूकों का लाईसेंस होने के बाद भी गरीब बने है। अधिकांश लोगों की स्थिति तो यह तक बन बनी है कि वह कई एकड़ जमीनों में धनी होने के बाद जमीन बच्चों के नाम कर शासन की वृद्धावस्था योजना का भी पूरा लाभ लेते हुये देखे जा रहे है, जिसके कारण शासन की गरीबी रेखा का लाभ जो सही पात्र माने जाने वाले गरीबों को मिलना चाहिए वह उन्हें न मिलकर पैसा बालों को अमीर बनाता जा रहा है।

सुअरों के विचरण से फैल रही भीषण गन्दगी, मलेरिया डेगू के साथ अब स्वन प्लू की बन रही संभावना...?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। सुअरो जो गिरोह के रूप में नगर की गलियों, चौराहो, बगीचों में यह सुअर घूमकर नगर की फिजॉ को खराब कर रहे है, जिसके चलते चल रहे इस मौसम में अनेक प्रकार की बीमारियाँ फैलने की संभावना रहती है उसके चलते नगर की गलियों में गंदगी फैल रही है। वैसे भी देखा जावे तो जहां संपूर्ण देशवासी कोरोना महामारी की दहशत से बड़ी मुश्किलों के बीच उभरते हुये देखे जा रहे है तो दूसरी ओर मवेसियों में नई बीमारी के साथ साथ लोगों में भी डेगू, मलेरिया की दहशत जहां हलाकान करते हुये देखी जा रही है। इस मौसम में लगातार फैल रही बीमिरयों के चलते में लोगों को इन सुअरों के आबारा भ्रमण के चलते स्वन प्लू फैलने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? क्योंकि इस समय अनेक जगहों पर पशु अनेक प्रकार की बीमारियो की गिरप्त में आने के कारण नगर में भ्रमण करने वाले सुअर दहशत का कारण बनने से नही चूक रहे है। ज्ञात हो कि पूर्व नपा द्वारा इस प्रकार से नगर में विचरण करने वाले सुअरों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की गई थी जिसके चलते नगर से सुअरों को बाहर किया गया था, मगर वह कार्यवाही पूर्ण से समाप्त हो जाने के चलते पूर्व के चलाये गये इस अभियान के बाद आज तक इस प्रकार के अभियानों की ओर ध्यान नही दिया गया है।

संयुक्त किसान मोर्चा के आव्हान पर म.प्र. किसान सभा ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। सदा ही किसानों को परेशानियों से निजात दिलाने के लिये अग्रसर रहने वाले मध्य प्रदेश किसान सभा द्वारा बीते हुये दिवस संयुक्त किसान मोर्चा के आव्हान पर किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम उपथाना सालीचौका में प्रभारी अधिकारी को ज्ञापन सौपा गया। बताया जाता है कि इस ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि भावान्तर नहीं भाव चाहिए। क्योंकि वर्तमान में घोषित भावान्तर योजना किसानों की नहीं कुछ बड़ी कंपनियों के फायदे के लिए है । इसे तुरंत वापस लिया जाए और सख्ती के साथ सोयाबीन सहित सभी फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य से खरीद सुनिश्चित की जाए । वही केन्द्र व प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी द्वारा दो साल पहले चुनाव घोषणापत्र में धान की कीमत 3100 रुपये प्रति क्विंटल देने का वायदा किया गया था । उसके अनुपात इस वर्ष धान की खरीदी का मूल्य 3300 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया जाये। अतिवृष्टि से हुए किसानों की फसलों के हुये नुकसान का नजरिया या सॅटॅलाइट सर्वे करने की बजाय पटवारी हल्के को इकाई मानकर औसत उपज की तुलना में आई कमी को आधार बनाकर क्षति का पूरा मुआवाह्जा दिया जाए। खाद का संकट सरकार की अक्षमता और असफलता के कारण है। जरूरत पड़ने के पहले ही खाद का पर्याप्त भण्डारण किया जाए और सभी किसान को उसकी आवश्यकता के अनुरूप खाद उपलब्ध कराया जाये। मध्यप्रदेश नकली खाद और बीज का अड्डा बना हुआ है। इनके सौदागरों और कृत्रिम संकट पैदाकर उनकी मदद करने वाले अधिकारियों को जेल भेजकर समुचित दंड दिया जाये। वही प्रदेश में लैंड पूलिंग की धोखाधड़ी और अलग अलग परियोजनाओं, कथित एक्सप्रेस वे, अभयारण्यों आदि इत्यादि के नाम पर जबरिया अधिग्रहण और बेदखली रोकी जाए । किसान की मर्जी और ग्राम सभा की वास्तविक मंजूरी और 2013 भूमि अधिग्रहण क़ानून के आधार पर मुआवजे और पुनर्वास के बिना जमीन अधिग्रहण नहीं किया जाए । वही दूसरी ओर किसानों को कृषि के लिये कम से कम 12 घंटे बिजली वह भी दिन के समय में प्रदान करते हुये बिजली विभाग द्वारा जिस प्रकार मनमाने तौर से बिजली प्रदान किये जा रहे है उस पर रोक लगाने के साथ साथ स्मार्ट मीटरों के लगाने पर भी रोक लगाई जावे। वही कर्ज सहित अन्य कारणों के चलते आत्महत्या करने वाले किसानों के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा देते हुए उनके एक आश्रित को सरकारी नौकरी दी जावे। टैरिफ से पड़ने वाले असर से किसानों को बचाने के लिए अंतर की राशि का भुगतान सरकार करे । जो मुक्त व्यापार समझौते किये जा रहे हैं उनके दायरे के कृषि को बाहर रखा जाए । इन दोनों के चलते कपास उत्पादक किसानों को हुए घाटे की पूर्ति की जाये। वही रबी की फसल के लिए हाल ही में घोषित की गयी न्यूनतम समर्थन मूल्य की दरें अनुचित और अपर्याप्त हैं । स्वामीनाथन आयोग की दरों की तुलना में इन दरों से देश के किसानो को 3 लाख करोड़ रुपयों से अधिक का नकद नुक्सान होने वाला है । इन दरों को वापस लेकर नई दरों का निर्धारण किसान संगठनो के साथ मिलकर किया जाये। वही चेतावनी दी गई है कि यदि इन मांगों का निराकरण दस दिन के अंदर नही होता है तो किसान सभा उग्र रूप धारण करने के लिये मजबूर होगी।

पॉलीथिन पर शासन का प्रतिबंध दिखाई दे रहा बेअसर, खुलेआम हो रहा उपयोग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां प्रशासन द्वारा पॉलीथिन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाते हुये नगर पालिकाओं से लेकर नगर पंचायतों को उपयोग करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करने के आदेश भी जारी किये गये थें। मगर वह आदेश नगर पालिकाओं व नगर पंचायतों द्वारा मात्र अखबारों में ईश्हार निकलवाने तक की कार्यवाही करते हुये अपनी खाना पूर्ति के बाद चार दिन की चांदनी साबित होते हुये होने से नही चूके है..? इसी का परिणाम है कि शासन द्वारा पन्नी के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के लिये दिया गया आदेश मात्र अधिकारियोंकी फाईलों में दबकर गायब हो चुका है और जहां तहां खाने पीने की सामग्री से लेकर अन्य स्थानों पर पन्नी का उपयोग पूर्व की भांति दिखाई देने से नही चूक रहा है। देखा जावे तो इस समय लगातार हो रहे पॉलिथिन के उपयोग पर शासन का आदेश अधिकारियों की बेरूखी के चलते बेअसर दिखाई देने से नही चूक पा रहा है। स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि लोगों द्वारा पॉलीथिन का उपयोग करने में सिर्फ सब्जी भाजी ही नही रखी जा रही बल्कि गर्म चाय तक अब पॉलीथिनों में रखते हुये जहां तहां पहुंचाई जाने लगी है, जिसके चलते किसी भी पॉलीथिन में रखी हुई गर्म वस्तु जहरीली होने से नही बच पाती है और शायद इसी सोच के चलते शासन द्वारा पॉलीथिन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाते हुये कार्यवाही के निर्देश दिये गये थें। मगर इस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि बाजार में खुलेआम पॉलीथिन का उपयोग होते हुये देखा जा रहा है।

हरिभूमि के स्थापना दिवस व धनतेरस
के पावन अवसर पर
कार्डनिक पब्लिक स्कूल सालीचौका
की ओर से हार्दिक
बधाई व शुभकामनाएँ
सौ. कार्डनिक पब्लिक स्कूल सालीचौका

दैनिक हरिभूमि जबलपुर संस्करण
के सफलतम 18 वें वर्ष मे प्रवेश
व धनतेरस दीवाली के पावन
अवसर पर कौरव सेवा समिति
की ओर से समस्त क्षेत्रवासियों को
बधाई व
शुभकामनायें
सौ. कौरव सेवा समिति
गाडरवारा

खबर संक्षेप

समय-सीमा बैठक में अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। बैठक में बिना सूचना एवं अनुमति के अनुपस्थित रहने पर सहायक आयुक्त सहकारिता डॉ. अरुण मसराम तथा वेयर हाउस निगम डिंडोरी के जिला प्रबंधक श्री होतीलाल मरावी को नोटिस जारी किया गया है। संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि वे तीन दिवस के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें, अन्यथा उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिले के सभी अधिकारी निर्धारित समय-सीमा की बैठकों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें और शासन की प्राथमिकताओं से संबंधित कार्यों की समीक्षा में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

प्रतिष्ठा गौतम ने अलवर में रचा स्वर्णिम इतिहास

अनूपपुर। बरगवां अमलाई निवासी नन्ही प्रतिभा, प्रतिष्ठा गौतम ने अंडर 8 वर्ग में जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने राष्ट्रीय पारंपरिक लाठी खेल प्रतियोगिता 2025 में एक लाठी और दो लाठी दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर बड़ा कीर्तिमान बनाया। प्रतियोगिता का आयोजन अलवर (राजस्थान) में किया गया।प्रतिष्ठा को स्वर्ण पदक मिलने पर नगर परिषद बरगवां अमलाई में खुशी की लहर है। सम्मान समारोह में उनके साथ दादा राम लखन मिश्रा और पिता आशीर्वाद मिश्र मौजूद रहे। आयोजन समिति की ओर से उन्हें प्रमाणपत्र और मेडल प्रदान किया गया।प्रतिष्ठा इससे पहले उज्जैन में आयोजित मप्र राज्य स्तरीय पारंपरिक लाठी खेल प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन कर दो स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। उनकी इस उपलब्धि परकोच ओर मार्गदर्शक अगमदीप, पिता आशीर्वाद मिश्रा, चाचा अनुरोध मिश्रा, दादा रामचरित्र मिश्रा, रामलखन मिश्रा, अवनीश मिश्रा, विनोद पाण्डेय, प्रदीप मिश्रा, विवेक पाण्डेय परिषद् अध्यक्ष गीता गुप्ता, राजेश मिश्रा विद्याधर मिश्र पवन चीनी अभिषेक गुप्ता सहित परिवारजनों और नगरवासियों ने हर्ष और गर्व व्यक्त किया।

रपटे ने ले ली बाइक सवार की जान

अनूपपुर। जिले के बिजुरी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान राम प्रसाद के रूप में हुई है। यह घटना बुधवार रात को हुई। जानकारी के अनुसार राम प्रसाद अपनी मोटरसाइकिल से जा रहे थे। बिजुरी में स्थित एक रपटे से उनकी गाड़ी बेकाबू होकर गिर गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। हालांकि अस्पताल ले जाते समय राम प्रसाद ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही बिजुरी थाना प्रभारी विकास सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चरम पर अनूपपुर कांग्रेस में गुटबाजी

अनूपपुर। कांग्रेस कमेटी अनूपपुर में एक बार फिर संगठनात्मक हलचल देखने को मिली है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के जिला अध्यक्ष रजन कुमार राठौर ने अपने पद से स्वेच्छा से त्यागपत्र दे दिया है। राठौर ने 16 अक्टूबर को जारी पत्र में लिखा है कि वे अब संगठन में किसी पद पर न रहकर, एक साधारण सदस्य के रूप में पार्टी के मार्गदर्शन अनुसार सहयोग करते रहेंगे। जानकारी के अनुसार, राठौर ने अपने त्यागपत्र से सिर्फ एक दिन पहले, यानी 15 अक्टूबर 2025 को, कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्याम कुमार "गुड्डू" चौहान को "वोट चोर गद्दी छोड़" राष्ट्रव्यापी हस्ताक्षर अभियान के तहत 3000 लोगों के हस्ताक्षर वाला पत्र सौंपा था। यह पत्र राठौर के व्यक्तिगत लेटर पैड पर जारी किया गया था, जिसमें हस्ताक्षरकर्ताओं के नाम, पते और हस्ताक्षर संख्या का स्पष्ट उल्लेख किया गया था। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह इस्तीफा कांग्रेस संगठन में चल रही आंतरिक गुटबाजी और मतभेदों का परिणाम हो सकता है।

जल संकट के खिलाफ ग्रामीणों का चक्काजाम एक घंटे बाद अधिकारियों ने की पहल

डिंडौरी।

जिले में जल संकट को लेकर लगातार हो रहे आंदोलनों की कड़ी में गुरुवार को करंजिया जनपद की ग्राम पंचायत धवाडोंगरी के ग्रामीणों ने डिंडौरी-अमरकंटक मार्ग पर कनकधारा के पास चक्काजाम कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बीते 9 महीनों से नल-जल योजना ठप पड़ी है, जिससे उन्हें कुएं व अन्य दूषित स्त्रोतों से पानी पीने को मजबूर होना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, पंचायत क्षेत्र में कराए गए बोरवेल भी फेल हो चुके हैं। इस संबंध में कई बार जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। गंभीर जल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों का आक्रोश गुरुवार सुबह फूट पड़ा और उन्होंने करीब सुबह 9 बजे सड़क पर उतरकर चक्काजाम कर दिया।

जाम लगने से हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर गाड़ासरई थाना प्रभारी, पीएचई विभाग के इंजीनियर अंशुल बिसेन, नायब तहसीलदार करंजिया शैलेश गौर, राजस्व निरीक्षक, पटवारी व पुलिस बल मौके पर पहुंचे।अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि बंद पड़ी नल-जल योजना को जल्द से जल्द शुरू किया जाएगा। तत्काल बोरिंग मशीन बुलाकर बोर की सफाई का कार्य शुरू कराया गया। प्रशासन की पहल के बाद ग्रामीण मान गए और लगभग 10:30 बजे जाम समाप्त हो गया, जिससे मार्ग पर आवागमन फिर से सुचारु हो सका।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो आंदोलन फिर शुरू किया जाएगा।

कमको मोहनियां में कन्या छात्रावास की स्वीकृति

सरपंच फूल सिंह मरकाम की मेहनत रंग लाई

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत कमकोमोहनियां के सरपंच फूल सिंह मरकाम जोकि भारतीय सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष भी हैं। क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित मांग रहा कि कमकोमोहनियां में कन्या छात्रावास खुले जिस क्षेत्रीय मांग की पहल सरपंच द्वारा पदभार ग्रहण करने के उपरांत ही प्रारंभ किया गया था।

जिसे मध्य प्रदेश शासन जनजातीय कार्य विभाग मंत्रालय भोपाल का आदेश कन्या पोस्ट मैट्रिक छात्रावास कमको मोहनियां विकासखंड अमरपुर जिला डिंडौरी में संचालित किए जाने की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई हैं। जिस आदेश की प्रतिलिपि फूल सिंह मरकाम को शासन द्वारा प्रेषित किया गया हैं। सरपंच द्वारा किए गए प्रयास में मिली सफलता से क्षेत्र में प्रसन्नता का माहौल हैं। पूरे क्षेत्र के लोगों द्वारा सरपंच की सराहना की जा रही हैं। अब इस क्षेत्र की छात्रों को शिक्षा की क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर भी मिल सकेगा। जोकि क्षेत्रीय छात्राओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही हैं।

सीपीआर की जानकारी एवं जीवन रक्षा शपथ कार्यक्रम आयोजित

अमरपुर। शासन के निर्देशानुसार हायर सेकेंडरी स्कूल सक्का में गुरुवार को सीपीआर (Cardio Pulmonary Resuscitation) की दो मिनट की जानकारी प्रदान की गई तथा विद्यार्थियों को जीवन रक्षा हेतु शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में छात्रों को हृदयगति रुकने की स्थिति में जीवन रक्षक उपायों की जानकारी दी गई। सीपीआर की प्रक्रिया छाती पर दबाव एवं कृत्रिम श्वसन के माध्यम से व्यक्ति का जीवन बचाने की विधि का प्रदर्शन कर विद्यार्थियों को जागरूक किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों ने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि आकस्मिक आपात स्थिति में सीपीआर की जानकारी जीवनरक्षक साबित हो सकती है। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं स्टाफ को मैं जीवन बचाने के लिए सदैव तत्पर रहूंगा की शपथ दिलाई गई।

दीपावली पर्व पर ग्रामीण आजीविका मिशन की दीदियों ने मिट्टी के उत्पादों का लगाया स्टॉल

दीपक, लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं, गुल्लक, गोबर से बने दीपक एवं अन्य पारंपरिक सामग्री शामिल

डिंडौरी ।

मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला डिंडौरी के अंतर्गत संचालित स्व-सहायता समूहों की दीदियों द्वारा दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में मिट्टी से निर्मित उत्पादों का स्टॉल लगाया गया स्टॉल में स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गए आकर्षक एवं पर्यावरण हितैषी उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें विभिन्न प्रकार के सुंदर दीपक, लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं, गुल्लक, गोबर से बने दीपक एवं अन्य पारंपरिक सामग्री शामिल हैं। ये सभी वस्तुएं स्थानीय संसाधनों से हस्तनिर्मित हैं और इन्हें दीदियों ने अपनी मेहनत और कौशल से तैयार किया है।

विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने अपने उद्बोधन में कहा कि दीदियों द्वारा स्वदेशी मिट्टी के दीपक और पर्यावरण अनुकूल सामग्री का निर्माण आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में सराहनीय कदम है। आज ग्रामीण महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, बल्कि समाज में प्रेरणा का स्त्रोत भी बन रही हैं।" उन्होंने उपस्थित जनों से अपील की कि इस दीपावली पर अधिक से अधिक स्वदेशी एवं स्थानीय उत्पादों का उपयोग करें ताकि ग्रामीण अंचलों की दीदियों को प्रोत्साहन और आर्थिक सहयोग मिल सके।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि "ग्रामीण आजीविका मिशन की दीदियों द्वारा बनाए जा रहे स्वदेशी और पर्यावरण अनुकूल उत्पाद न केवल आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान हैं, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का भी माध्यम है। दीदियों का यह प्रयास महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रेरणादायक उदाहरण है।उन्होंने नागरिकों से अपील की कि इस दीपावली पर स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें ताकि स्थानीय कारीगरों और समूहों को प्रोत्साहन मिले।

इस अवसर पर शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, जिला परियोजना प्रबंधक श्रीमती अर्पणा सोनकिया पांडेय, जिला प्रबंधक श्रीमती निशारानी पड़वार, प्रभारी जिला प्रबंधक भगत आर्मो, श्री बलराम गवले, अमित वैश्य सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीदियों द्वारा निर्मित उत्पादों की सराहना की और उन्हें आत्मनिर्भरता एवं स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। ग्रामीण आजीविका मिशन के इस प्रयास से महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन का अवसर प्राप्त हो रहा है।

उर्वरक, कीटनाशक एवं बीज के नमूनों का नियमित रूप से संग्रहण कर परीक्षण किया जाए

डिंडौरी ।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में कृषि, सहकारिता, मंडी एवं संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में जिले में खाद-बीज उपलब्धता, गुणवत्ता नियंत्रण, नरवाई प्रबंधन, सहकारी समितियों की स्थिति, जन औषधि केंद्रों की स्थापना तथा मंडी संचालन से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

उप संचालक कृषि द्वारा बताया गया कि जिले में कुल 5 बीज उत्पादक संस्थाएँ कार्यरत हैं, जिनमें 3 सहकारी समितियाँ, एक बीज निगम एवं एक कृषि प्रक्षेत्र शामिल हैं। इन संस्थाओं में लगभग 973 क्विंटल बीज विभिन्न फसलों का उपलब्ध है, जिसका भंडारण विभागीय योजनाओं एवं समितियों के माध्यम से किया जाता है। दलहन एवं तिलहन फसलों का बीज उत्पादन जिले में सीमित मात्रा में होने के कारण लक्ष्य पूर्ति के लिए बाहरी संस्थाओं से भंडारण किया जाता है।नोडल अधिकारी, सी.सी.बी. द्वारा अवगत कराया गया कि पुरानी बीज किस्मों का समितियों में मांग अनुसार भण्डारण कराए जाने पर कृषक अनुदान से वंचित रह जाते हैं तत्संबंध में कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने कृषि विभाग को निर्देशित किया कि मैदानी अमले के माध्यम से कृषकों को नई बीज किस्म अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया जाए। बैठक में बताया गया कि जिले में उर्वरक का भंडारण पर्याप्त मात्रा में है, अनुपलब्धता जैसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती। जिले में सिंचित रकबा कम होने और अधिकांश क्षेत्र वनग्राम होने से उर्वरक की खपत अपेक्षाकृत कम है।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने निर्देश दिए कि उर्वरक, कीटनाशक एवं बीज के नमूनों का नियमित रूप से संग्रहण कर परीक्षण किया जाए ताकि किसी भी प्रकार की मिलावट या अनियमितता पर शीघ्र कार्रवाई की जा सके।नरवाई प्रबंधन हेतु उप संचालक कृषि एवं सहायक कृषि यंत्री द्वारा हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, बेलर, मल्चर मशीनों के उपयोग की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने इन उपकरणों का लाइव प्रदर्शन दिखाने के निर्देश दिए सहकारी केन्द्रीय बैंक द्वारा अल्पकालिक ऋण वितरण, ऋण वसूली, टर्म लोन एवं जमा राशि की जानकारी प्रस्तुत की गई। साथ ही समितियों द्वारा किए जा रहे खाद वितरण की जानकारी दी गई। सहकारिता विभाग द्वारा बताया गया कि जिले की 44 समितियों में से 14 का पुनर्गठन किया गया है, जबकि 3 समितियों के पुनर्गठन प्रस्ताव लंबित हैं। इस पर कलेक्टर द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए लक्ष्य पूर्ति में तेजी लाने एवं सभी विभागों से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए।

जन औषधि केंद्र हेतु 44 में से 5 सोसायटियों के आवेदन प्राप्त होने पर जिनके पास जगह नहीं है कलेक्टर द्वारा अन्य विभागों के सहयोग से उपयुक्त स्थान चयनित कर आवेदन कराए जाने के निर्देश दिए।इसके अतिरिक्त, कामन सर्विस सेंटर, वन उपज सहकारी समितियाँ, दुग्ध सहकारी समितियाँ एवं समितियों के कम्प्यूटरीकरण अंतर्गत ऑडिक कंसिलेशन के तहत 5 ईपेक्स सोसायटियों की जानकारी दी गई। मंडी सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि फार्म गेट एप के माध्यम से अब तक 663 कृषकों का पंजीयन किया जा चुका है, जिनके माध्यम से किसान अपनी उपज सीधे विक्रय कर रहे हैं। बैठक के अंत में कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि कृषकों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए बैठक के दौरान अपर कलेक्टर जेपी यादव, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी, कृषि उपसंचालक सुश्री अभिलाषा चौरसिया, सहायक संचालक मत्स्य राकेश चंदेल, पमेश भगत, शाखा प्रबंधक होतीलाल मरावी, वर्षा मरकाम, प्रीती मरकाम, सिद्धेश्वर सिंह, जेपी द्विवेदी, डॉ. नेहा धूरिया, केपीएस मरावी, डॉ. एचपी शुक्ला सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

डिंडौरी को हराकर सक्का ने जीता खिताबी मुकाबला, क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज अमरपुर।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का गुरुवार को समापन हो गया। जिसमें सक्का की टीम विजयश्री हासिल किया। टॉस जीत कर सक्का ने निर्धारित 8 ओवर में 4 विकेट खोकर 75 रन बनाएं। वहीं पर लक्ष्य का पीछा करने उतरी डिंडौरी की टीम महज 38 रनों पर ही ढेर हो गई। इस प्रकार सक्का टीम ने 37 रनों के बड़े अंतर से यह खिताबी मुकाबला अपने नाम कर लिया। उक्त समापन कार्यक्रम में अमरपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष आकाश नामदेव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के युग में मनुष्य के जीवन में खेल अत्याधिक आवश्यक हैं, खेल से जहां स्वास्थ्य भी सही रहता हैं। और आदमी नियम में भी बंधा रहता हैं। जिस प्रकार खेलों में नियम होते हैं, उसी प्रकार मानव जीवन में भी नियम होना जरूरी हैं। जिस प्रकार हम खेलों में नियम का पालन कर खेल खेलते हैं, उसी प्रकार जीवन भी नियम बनाकर जीना चाहिए। अगर आपके जीवन जीने में नियम होंगे तो आप ज्यादा सफल होंगे। जिसमें सबसे पहला नियम नशे से दूर होने का होना चाहिए। इसके पश्चात मुख्य अतिथि ने विजेता टीम सक्का को प्रथम पुरस्कार पांच हजार रुपए नगद राशि और शील्ड एवं द्वितीय पुरुकार डिंडौरी की टीम को ढाई हजार रुपए नगद राशि और शील्ड देकर उनको सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में अमरपुर सरपंच रामनाथ उद्दे, मंडल महामंत्री राम कुमार वनवासी, बूथ अध्यक्ष कैलाश ठाकुर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए शहपुरा में खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण

डिंडौरी। आगामी दीपावली त्यौहार को देखते हुए मिलावटी एवं अस्वच्छ खाद्य पदार्थों की बिक्री पर नियंत्रण हेतु कलेक्टर महोदया के आदेश तथा एसडीएम शहपुरा के निर्देशन में दिनांक 16 अक्टूबर 2025 को खाद्य आपूर्ति विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग एवं तहसील प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा नगर के विभिन्न मिष्ठान एवं डेयरी प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान टीम ने गुणवत्ता युक्त एवं स्वच्छ खाद्य सामग्री के उपयोग के लिए दुकानदारों को निर्देशित किया। डिंडोरी रोड स्थित राधिका बेकरी में पनीर के प्राथमिक परीक्षण में गुणवत्ताहीन पाए जाने पर नमूना लिया गया तथा 3 किलोग्राम पनीर को नष्ट कराया गया।

विनय डेयरी से दूध एवं पनीर, अम्बे बेकरी से पनीर, खोवा, सोन पापड़ी एवं लड्डू के सैंपल लिए गए। बीकानेर मिष्ठान से कुंडा पेड़ा एवं अंजीर बर्फी के नमूने लिए गए तथा मिठाई पर लगाई जाने वाली चांदी वर्क की भी जांच की गई। बीकानेर मिष्ठान में रसमलाई की स्पॉट टेस्टिंग की गई, जो सही पाई गई। दुकानदारों को मिठाई निर्माण में केवल गुणवत्ता युक्त रंगों के प्रयोग के निर्देश दिए गए।इसके अलावा जमुना होटल एवं दुर्गा स्वीट्स का भी निरीक्षण किया गया। सड़क किनारे स्थित दुकानों में खाद्य पदार्थों को ढककर विक्रय करने हेतु विशेष निर्देश दिए गए।कार्रवाई के दौरान तहसीलदार शहपुरा सुंदरलाल यादव, खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रभा टेकाम, एवं सहायक आपूर्ति अधिकारी जयंत असराटी उपस्थित रहे।

वेंकटनगर पुलिस ने 2 ट्रेक्टर ट्राली किया जप्त

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

15 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना पर दो अलग-अलग ट्रेक्टर के ट्राली में अवैध रेत उत्खन्न परिवहन करने वाला है कि सूचना पर स्वतंत्र साक्षीयों को मुखबिर की सूचना से अवगत कराते हुये मुखविर के बताये स्थान जलान नदी के आमा घाट से गांव खैरीटोला तरफ आने वाले रास्ते पर गया तो एक लाल रंग के मैसी कपंनी का ट्रेक्टर बिना नम्बर लिखा लाल रंग की ट्राली लगाये ट्राली में आधी ट्राली 1.5 घन मीटर रेत खनिज भरे आते दिखा जिसे रुकवाकर पूछतांछ की गई तो ट्रेक्टर चालक द्वारा अपना नाम गयाशंकर यादव पिता भैयालाल यादव उम्र 40 वर्ष निवासी खैरीटोला पु.स. के वेंकटनगर भाना जैतहरी बताया एवं स्वंय को गाड़ी का ड्राईवर होना बताया कि मेरे पास ट्रेक्टर ट्राली में लोड़ रेत खनिज कर कोई कागजात टी.पी. नही. है ट्रेक्टर का मालिक पुष्पराज सिंह उर्फ अंकुश है। मैं मालिक के कहने पर ट्रेक्टर ट्राली में रेत भर कर वेंकटनगर ले जा रहा था। आरोपी ट्रेक्टर चालक एवं मालिक उपरोक्त को अवैध रेत खनिज उत्खन्न परिवहन में संलिप्त पाये जाने से आरोपी ट्रेक्टर चालक के कब्जे से ट्रेक्टर ट्राली में लोड अवैध रेत 1.5 घन मीटर कीमती 2000-रूपये ट्रेक्टर मय ट्राली कीमती 50000 रूपये कुल 502000 रूपये का मौके पर जप्त किया गया एवं अलान नदी के आमा घाट पर एक ट्रेक्टर ट्राली कुल मशरूका 402000 रूपये का मौके पर जप्त किया गया। आरोपीयो उपरोक्त दोनो चालको व बाइन स्वामीयों के विरूद्ध जपराध धारा 303(2), 317 (5) बीएनएस एवं 4/21 खान एवं खनिज विकास अधिनियम 1957 के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

राज्य स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में अमरपुर महाविद्यालय की छात्रा हेमलता उद्दे का हुआ चयन

अमरपुर। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल कॅलेंडर के अनुसार 15 अक्टूबर को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेन्स में संभाग स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें शासकीय महाविद्यालय अमरपुर की छात्रा हेमलता उद्दे का चयन राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता इंदौर संभाग में आयोजित की जाएगी। महाविद्यालय के प्राचार्य संदीप सिंह एवं क्रीडा अधिकारी डॉ. पुष्पेन्द्र तिवारी, डॉ. सीमा डाबर, डॉ. सौरभ सामंत, डॉ. अनिल कुशराम, डॉ. निगहत खान, डॉ. सुनील काकोड़िया, जयदीप दुबे, प्रदीप कहार, सुश्री हुस्ना अंसारी, डॉ. स्वर्णिम पटेल, कैलाश लखेरा, दीपचंद गुप्ता, ओमकार वाटिया, समीर धुर्वे, कमलेश, सहज सिंह मरावी सहित समस्त महाविद्यालयीन स्टाफ ने छात्रा को उनके बेहतरीन खेल प्रदर्शन एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनांए प्रेषित की गई।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चांवरपाठा में ब्लॉक स्तरीय समीक्षा बैठक बुधवार को आयोजित की गई। बैठक में जिला स्वास्थ्य अधिकारी 2 डॉ. जीपी भनारिया, जिला क्षय अधिकारी डॉ. विनय ठाकुर, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर चांवरपाठा डॉ. राजकिशोर पटेल, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक विनोद प्रजापति, ब्लॉक चांवरपाठा के सभी सीएचओ, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, सेक्टर सुपरवाइजर एवं पीएचसी सीएचसी के मेडिकल ऑफिसर मौजूद थे। उन्होंने बैठक में सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की उप स्वास्थ्य केन्द्रवार समीक्षा की गई। जिन उप स्वास्थ्य केन्द्रों की स्वास्थ्य सूचकांको में कम उपलब्धि पाई गई उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर अक्टूबर माह अंत तक लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए।

आपदा जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नरसिंहपुर। गत दिवस शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में वरिष्ठ कार्यालय एवं संस्था प्राचार्य जी एस पटेल के मार्गदर्शन में जिला आपदा प्रबंधन टीम द्वारा जनजागृति अभियान अंतर्गत 01 प्लाटून कमांडर बीरेंद्र सूर्यवंशी 02 हवलदार अनुदेशक सुंदर उइकार होमगार्ड एवं संकट मोचन बल मुंबई की टीम एवं एसडीआरएफ द्वारा छात्र -छात्राओं प्राकृतिक एवं मानव निर्मित दुर्घटनाओं से बचाव का प्रशिक्षण प्रदान किया। प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, बाढ़, हड्डी टूट जाना, सांप के द्वारा काट लिए जाने पर और अन्य खतरों से बचाव का न केवल प्रदर्शन किया गया अपितु छात्र छात्राओं से उक्त बचाव कार्य करवाकर उन्हे इन दुर्घटनाओं से निपटने का प्रशिक्षण प्रदान किया। दल द्वारा सिखाई गयी बचाव तकनीकों को छात्र-छात्राओं ने रूचि ले कर सीखा। प्रशिक्षण प्राप्त करने उपरांत प्राचार्य जी. एस. पटैल द्वारा समस्त प्रशिक्षणकर्ताओं को धन्वाद प्रेषित करते हुए छात्र-छात्राओं को प्राकृतिक आपदा के समय अपनी मानसिक एवं शारीरिक शक्ति से आपदा का सामना करते हुए अपने आपको एवं समाज को सुरक्षित रखने हेतु प्रोत्साहित किया।

पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने की जनसुनवाई

नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश शासन के पूर्व राज्यमंत्री एवं नरसिंहपुर जिले के पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल ने विधायक निवास नरसिंहपुर में जनसुनवाई आयोजित की इस अवसर पर आए जन सामान्य लोगो ने अपनी समस्याओं को आवेदन के माध्यम से बताया जिसपर तत्काल संज्ञान लेते हुए पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने संबंधित विभाग को अवगत कराते हुए जानकारी लेकर समस्याओं का निदान कराया जनसुनवाई में लगभग 180 आवेदनों की प्राप्ति हुई जिनपर संज्ञान लेते हुए उन्हें कार्यवाही हेतु आगे प्रेषित किया गया आमजनों के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहने वाले जनप्रिय समाजसेवी जालम सिंह पटेल द्वारा स्थानीय जनों की जनसमस्या हेतु प्रत्येक गुरुवार जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है जिसमें जिले भर से आए लोगों की बात सुनकर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाता है। उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया उक्त जनसुनवाई के अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारीयो के साथ जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राधेश्याम नेमा सहित अनेक समाजसेवी जनप्रतिनिधि जनो की मौजूदगी रही।

वाहन ऋण ना चुकाने पर भेजा जेल

नरसिंहपुर। गत दिवस न्यायालय न्यायालय पंचम अपर जिला एवं सत्रन्यायाधीश वैभव सक्सेना के द्वारा गौरीशंकर मेहरा का गिरफ्तारी वारंट जारी कर गौरीशंकर मेहरा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने का आदेश जारी किया गया। जिसमें न्यायालय ने लोन की राशि का भुगतान नहीं करने पर गौरीशंकर मेहरा को एक माह के साधारण सिविल कारावास से दंडित कर जेल भेजा। श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के ब्रांच मैनेजर अतुल कुमार नेमा व कलेक्शन मैनेजर दीपक गुहेरिया के द्वारा बताया गया कि ऋण ना चुकाने पर उक्त सजा सुनाई गई।

कलेक्टर ने किया विभिन्न ग्रामों का औचक निरीक्षण

विद्यार्थियों से कलेक्टर ने की चर्चा, पूछे प्रश्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गुरूवार को नरसिंहपुर जिले के अंतर्गत आने वाले ग्राम बीतली, सगरी, करेली, शाहपुर, आमगांव बड़ा और सिंहपुर ग्रामों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक शाला, आंगनबाड़ी केन्द्र, माध्यमिक शाला, शासकीय उचित मूल्य दुकान, सेवा सहकारी समिति मर्यादित, कृषि साख सहकारी समिति और गौशाला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण किया। प्रधान पाठक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

छात्र- छात्राओं से की चर्चा

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्राम बीतली में शासकीय प्राथमिक शाला और शासकीय माध्यमिक शाला का निरीक्षण किया। उन्होंने शालाओं में शिक्षा के स्तर में सुधार करने और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति बढ़ाने को कहा। रोजाना मैन्यू के आधार पर भोजन वितरित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने इस दौरान शिक्षक एवं छात्र उपस्थिति पंजी का भी अवलोकन किया। उन्होंने छात्र- छात्राओं से विज्ञान और गणित विषय के सामान्य प्रश्न भी पूछे, जिसका छात्र- छात्राओं के द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया। कक्षा के पाठ्यक्रम को निर्धारित समयानुसार पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने ग्राम बीतली और सगरी में आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को समय पर पोषणयुक्त भोजन व नाश्ता प्रदान करने और निर्धारित समय पर आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान आंगनबाड़ी केन्द्र अंतर्गत दर्ज गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने माध्यमिक शाला बीतली के प्रधान पाठक को शैक्षणिक कार्य में लापरवाही बरतने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केन्द्र बीतली में लापरवाही बरतने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका तथा विवेकानंद स्वसहायता समूह को भी नोटिस जारी करने को कहा है।

राशन दुकानों का किया निरीक्षण

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सेवा सहकारी समिति मर्यादित करेली, करपगांव व सिंहपुर और प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित शाहपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने भावांतर योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक सोयाबीन उत्पादक किसानों का पंजीयन कराने और इसका व्यापक प्रचार- प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने भावांतर योजना अंतर्गत केन्द्रों में किसानों के पंजीयन के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने उचित मूल्य की दुकान करेली, करपगांव, शाहपुर और सिंहपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने उपभोक्ताओं को नियमित रूप से खाद्यान्न वितरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के निरीक्षण के दौरान स्टॉक एवं स्टॉक पंजी का अवलोकन किया। उन्होंने उचित मूल्य की दुकानों में खाद्यान्न का रखरखाव एवं वितरण उचित तरीके से करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस दौरान खाद्यान्न उपभोक्ताओं से खाद्यान्न वितरण के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी उपभोक्ता उचित मूल्य की दुकान से खाद्यान्न का उठाव निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

अनुपस्थिति पर नोटिस जारी करने के निर्देश

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर और आमगांव बड़ा का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्रों में ओपीडी, स्टोर रूम, औषधी भंडार कक्ष, डिलेवरी कक्ष, दवा वितरण केन्द्र आदि का अवलोकन किया। स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजों का नियमित रूप से जांच परीक्षण एवं उपचार करने के निर्देश दिए। मरीजों के लिए नियमित रूप से दवाईयां उपलब्ध रखने को कहा, जिससे स्वास्थ्य केन्द्रों में आने वाले मरीजों को परेशानी न हो। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने इस दौरान स्वास्थ्य केन्द्रों में पहुंचे मरीजों से भी चर्चा की। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्रों के स्टाफ को नियमित रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र में अनुपस्थित रहने वाले स्टाफ को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने इसी प्रकार से गौशाला शाहपुर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने गौशाला में पशुओं को नियमित रूप से चारा- भूसा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। गौशाला की नियमित रूप से साफ- सफाई व सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी ली।

श्री मुक्तानंद संस्कृत पाठशाला के जीर्णोद्धार हेतु 25 लाख की राशि स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। जिले की सबसे प्राचीन संस्कृत पाठशाला श्री मुक्तानंद संस्कृत पाठशाला के भवन के जीर्णोद्धार हेतु जिले के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने व्यक्तिगत रूचि लेते हुए 25 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कर एक अनुकरणीय पहल की है। पाठशाला ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि सन 1941 में स्थापित यह पाठशाला गुरुकुल पद्धति पर आधारित है तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को निःशुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान करती है। जिले में यह एकमात्र ऐसी संस्था है जो कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों को संस्कृत, वेद, धर्मशास्त्र सहित आधुनिक विषयों की शिक्षा उपलब्ध कराती है। यह पाठशाला न केवल शैक्षणिक दृष्टि से अपितु धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। यहां पर

ब्रह्मलीन जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज सहित वर्तमान जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज जैसे महान संतों ने अध्ययन किया है। समिति अध्यक्ष सुमित छिरा ने आगे बताया कि वर्ष 2025 में अतिवृष्टि के कारण 84 वर्ष पूर्व निर्मित पाठशाला भवन जर्जर हो चुका था और गिरने की कगार पर था, जिससे अध्ययन और आवास में अनेक कठिनाइयां उत्पन्न हो रही थीं। जब यह स्थिति मंत्री श्री सिंह के संज्ञान में आई, तो उन्होंने त्वरित निर्णय लेते हुए भवन के जीर्णोद्धार हेतु 25 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कर दी। श्री मुक्तानंद पाठशाला परिवार ने मंत्री उदय प्रताप सिंह के इस सहयोग के लिए हृदय से आभार एवं साधुवाद व्यक्त किया है तथा आशा जताई है कि भविष्य में भी इसी प्रकार का सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस योगदान से न केवल पाठशाला के पुनर्निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा, बल्कि संस्कृत व सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार को भी नई ऊर्जा मिलेगी। यह निर्णय जिले के उन विद्यार्थियों के लिए एक वरदान सिद्ध होगा जो संस्कृत के माध्यम से अपना भविष्य संवारना चाहते हैं।

निराश्रित मवेशियों के कारण आये बन रहीं समस्याएं

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में निराश्रित मवेशी गली चौराहों सार्वजनिक स्थलों पर मुसीबत बनें हुए हैं। इतना ही नगर में खुले आम घूमने वाले सांड राह चलते लोगों को मार देना मोटरसाइकिलों में रखी सामग्री को गिरा देना खाद्य पदार्थो को खा लेने जैसी समस्याओं के चलते हर वर्ग परेशान बना हुआ है।बीच बस स्टैंड पर इनकी धमाचौकड़ी से आवागमन वाधित हो रहा है।इनकी उचित व्यवस्था के लिए अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुआ करती है।गौ शालायें खाली पड़ी हुई है और बेचारे मवेशी सड़कों पर निराश्रित अवस्था में घूम रहे हैं।

लगातार मेंटेनेंस के बाबजूद केबिल में लगती है आग

तेंदूखेड़ा। जीवन का महत्वपूर्ण अंग बन चुकी विद्युत व्यवस्था आये दिन बंद होना अब आम बात हो गई है। विद्युत आपूर्ति सुचारू चले को लेकर आये दिन मेंटेनेंस के नाम पर दिन दिन भर बिजली गुल रहती है फिर भी वही स्थिति सोचनीय विषय बना हुआ है। उपभोक्ताओं का कहना है कि तहसील मुख्यालय में बगैर कोई सूचना के बिजली गुल होने से बिजली से चलने वाले सभी धंधे प्रभावित हुआ करते हैं।एक बार में ही उचित तरीके से गुणवत्ता युक्त सामग्री लग जाये जिससे जलने या खराब होने की समस्या खत्म हो जाये।

स्वास्थ्य विभाग की ब्लाक स्तरीय समीक्षा बैठक

तेंदूखेड़ा

विगत दिनों प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चांवरपाठा में ब्लाक स्तरीय समीक्षा बैठक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनीष कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई।इस मौके पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी 2 डा जीपी मनारिया जिला क्षय रोग अधिकारी डा विनय ठाकुर ब्लाक मेडीकल आफीसर डा राजकिशोर पटेल कार्यक्रम प्रबंधक विनोद प्रजापति के साथ साथ विकास खंड के सभी सी एच ओ ,ए एन एम,एम पी डब्ल्यू सेक्टर सुपरवाइजर एवं पी एस सी,सी एस सी मेडीकल आफीसर प्रमुख रुप से उपस्थित रहे।बैठक में सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की उपस्वास्थ्य केंद्र बार समीक्षा की गई जिन उपस्वास्थ्य केंद्रों की स्वास्थ्य सूचकांको में कम उपलब्धि पाई गई है उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर अक्टूबर माह के अंत तक लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश दिए गए हैं।

पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तट ललिता घाट पर विराजमान हैं मां राजराजेश्वरी एवं श्रीयंत्र

तेंदूखेड़ा

पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तट धार्मिक आध्यात्मिक प्रचुरता से भरे पड़े हुए हैं। जिनमें हीरापुर में ललिता घाट कैलाश कुटी के नाम से विख्यात मां राजराजेश्वरी का दक्षिण शैली में बना विशाल मंदिर श्रीयंत्र के साथ नवग्रह केदारनाथ शैली में भगवान भोलेनाथ विशाल हनुमान जी सहित विभिन्न देवी देवताओं की मूर्तियां जन आस्था का केंद्र बना हुआ है। जहां दूर दूर से श्रद्धालु जन बड़ी संख्या में पहुंच कर दर्शन लाभ लेते हैं।यह घाट स्वयं मां नर्मदा के कारण अपने आप में प्रसिद्ध तो है ही वहीं दूसरी तरफ यहां पर ईश्वरीय शक्ति मां नर्मदा की कृपा प्रेरणा से नर्मदा परिक्रमा के दौरान स्वामी षडमुखानंद जी महाराज ने इस घाट को अपनी साधना स्थली बनाया कठोर साधनायें की वहीं हर वर्ष होने वाले यज्ञों अनुष्ठानों के कारण जिसकी ऊर्जा से संपूर्ण क्षेत्र एक पावन तीर्थ बन गया है। यहां हीरापुर वाले स्वामीजी महाराज के द्वारा 16 वर्षो तक केवल एक गिलास दूध में आहार फिर सात साल तक मां नर्मदा की गोद में (नाव) में रहकर अपनी साधना की फिर तीन साल तीन माह तेरह दिन की पैदल नर्मदा परिक्रमा 45 दिवसीय यज्ञ अनुष्ठान किये गये हैं।भारत वर्ष के विद्वान साधु संत महात्मा शंकराचार्य जी महाराज यहां पर पदार्पण कर चुके हैं। दक्षिण शैली में बनें विशाल मां राजराजेश्वरी जी एवं श्रीयंत्र का पूजन विद्वान पंडितों द्वारा प्रतिदिन किया जाता है। स्वामीजी महाराज ने हमारी संस्कृति सत्य सनातनी परंपरा को बढ़ावा देने की मंशा से यहां पर निःशुल्क संस्कृत पाठशाला एवं स्कूल और गौ शाला का संचालन काफी लंबे समय से किया जा रहा है। तथा नर्मदा जयंती गुरु पूर्णिमा यज्ञ अनुष्ठानों की पूर्णाहुति के अवसर पर पादुका पूजन और वृहद स्तर पर भंडारे आयोजित किए जाते हैं। वैसे तो स्वामीजी महाराज के द्वारा भारत वर्ष के विभिन्न धार्मिक क्षेत्रों में अपने आश्रम बनवायें है लेकिन वर्तमान में नेमिशारण्य में विशाल मंदिर आश्रम जन आस्था का केंद्र बना हुआ है एवं स्वामीजी महाराज क्षेत्र अनुष्ठान के चलते वहीं पर विराजमान हैं।

तेंदूखेड़ा में बना है लक्ष्मीनारायण मंदिर

नगर के बीच बहुत से प्राचीन मंदिर बनें हुए हैं इनमें लक्ष्मीनारायण मंदिर लगभग एक सदी से ऊपर का हो गया है। मंदिर में भगवान श्री विष्णु भगवान एवं लक्ष्मी जी विराजमान हैं। यहां पर आये दिन विविध धार्मिक आयोजन हुआ करते हैं। श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में पहुंचा करते हैं।यह मंदिर नगर के प्रतिष्ठित मिठया परिवार के पूर्वजों द्वारा बनवाया गया था।

बीपीएमयू की बैठक संपन्न

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस विकासखंड चांवरपाठा की माह अक्टूबर की बी पी एम यू की बैठक जनपद शिक्षा केंद्र में बी आर सी के मार्गदर्शन में आयोजित की गई । जिसमें विकासखंड की समस्त शालाओं के पूल लिस्ट में प्रदर्शित हो रहे बच्चों की जानकारी उपस्थित जन शिक्षकों से अपडेट कराई गई। साथ ही अन्य विकासखंड तथा जिले में टी सी लेकर गए बच्चों की जानकारी शालावार संधारित कराई गई। यू डाइस में ड्रॉप बॉक्स में बच्चों की जानकारी व उन्हें शालाओं में इंपोर्ट करने हेतु सभी को निर्देशित किया गया। मध्याह्न भोजन की डेली रिपोर्ट प्रतिदिन समय पर प्रेषित करने हेतु समस्त प्रधान पाठकों को निर्देशित किया गया। ग्राम में कोई भी बच्चा शाला त्यागी या अप्रवेशी न रहे। अतः समस्त बच्चों को नामांकित कर पोर्टल पर शत प्रतिशत मैप करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। इस अवसर पर समस्त जनशिक्षक उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी ने एसडीएम गोटेगांव को सौंपा ज्ञापन

गोटेगांव

नगर के जनपद पंचायत प्रांगण में विगत दिवस जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया उक्त कार्यक्रम जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल के नेतृत्व में किया गया जिसमें ग्राम बगासपुर के पीड़ित परिवारों के विस्थापन की उचित मांग और विभिन्न समस्याओं को लेकर जनपद पंचायत प्रांगण में धरना दिया और धरना के उपरांत सभी कांग्रेस पदाधिकारी रैली के रूप में एसडीएम कार्यालय पहुंचे जहां कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ग्रामवासियों ने मिलकर एसडीएम संघमित्रा गौतम को ज्ञापन दिया। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल,कांग्रेस नेता लाखन सिंह पटेल, चौ.विभास जैन,पूर्व जिला पंचायत सदस्य पार्वती सिलावट,पूर्व विधायक शेखर चौधरी,जिला पंचायत सदस्य अरविंद पटेल,आरती पटेल ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष द्वारका राजपूत, अरविंद पटेल,पूर्व पार्षद राजेश चौकसे कैलाश रजक मुकेश सोनी धनीराम पटेल गोविंद पटेल आशीष राय सहित बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस एवं युवा कांग्रेस ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नियमों को दरकिनार कर किया जा इलाज

नरसिंहपुर। जिले मे झोलाछाप डाक्टरों का मकड़जाल जमकर फैला हुआ नियमों को धता दिखाते हुए झोला छाप डाक्टरों द्वारा लोगों को मनमाफिक उपचार दिया जा रहा है। ऐसा ही मामला जिले के मलाह पिपरिया से सामने आया जहां पर डाक्टर गोपाल गोस्वामी द्वारा नियमों को दरकिनार कर धड़ल्ले से उपचार किया जा रहा है। जबकि क्लीनिक के संचालन के लिए क्लीनिक का पंजीयन होना बेहद आवश्यक होता है तथा इंजेक्शन आदि लगाने के लिए प्रशिक्षित नर्सिंग का होना भी जरूरी रहता है लेकिन यहां पर धड़ल्ले से नियमों को धता दिखाते हुए क्लीनिक संचालित की जा रही है। क्लीनिक संचालन के लिए पंजीयन के साथ साथ मेडिकल वेस्ट को भी खुले मे फेका जा रहा है। प्रशासन को चाहिए की ऐसे लोगो पर ठोस कार्रवाई की जाए जिससे लोगों की जान से खिलवाड़ ना हो वही छिंदवाड़ा मे हुई घटना से स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं की हकीकत लोगों के सामने आ चुकी है प्रशासन को चाहिए कि जिले मे अवैध रूप से क्लीनिक चलाने वालों पर भी ठोस कार्रवाई करे जिससे स्वास्थ्य विभाग पर लगने वाले दाग को रोका जा सके।

कजई निवासी गर्भवती महिला की मौत

मांयके पक्ष ने जताई हत्या की आशंका

गोटेगांव

नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उस समय हड़कंप मच गया जब गोटेगांव की नजदीकी ग्राम कजई निवासी एक महिला की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई।बताया जा रहा है कि उक्त महिला गर्भवती थी,वही महिला की मौत पर महिला के मायके पक्ष के लोगों ने हंगामा कर दिया,और ससुराल पक्ष के लोगों पर महिला की हत्या करने की आंशका जताई है।मृतका के चाचा तरवर पटेल ने बताया कि उनकी भतीजी यशवति पटेल उर्फ गौरी उम्र 24 वर्ष पत्नी प्रियांश करसैया निवासी ग्राम कजई की 13 अक्टूबर की रात संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई हमें ससुराल से फोन आया की बच्ची की तबीयत खराब है। और जब हम अस्पताल पहुंचे तो वह मृत पड़ी मिली।चाचा का कहना है कि अचानक तबीयत बिगड़ना और मौत होना शक पैदा करता है।वही सामुदायिक अस्पताल के डॉक्टर इंद्रर सिंह दंडोतिया ने बताया कि रात करीब 12:30 बजे, महिला को निजी अस्पताल से मृत लेकर आए थे,शव को मिचुरी में रखवाया गया और मंगलवार को सुबह पोस्टमार्टम किया गया। फिलहाल पुलिस ने जांच शुरू कर लिया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही मौत का खुलासा हो सकता है।गौरतलब हो मृतका की शादी डेढ़ वर्ष पूर्व प्रियांश करसैया के साथ हुई थी।